नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

भारत-ब्रिटेन समझौता : एक नया अध्याय

भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर हो गए. यह समझौता न केवल आर्थिक संबंधों को सुदृढ़ करेगा, बल्कि दोनों देशों के बीच एक नई रणनीतिक साझेदारी का मार्ग भी प्रशस्त करेगा. यह एफटीए, जिसे पूरा होने में तीन साल का समय लगा, दोनों देशों के लिए व्यापार, निवेश और रोजगार सृजन के नए द्वार खोलेगा. इस समझौते का सबसे स्पष्ट लाभ व्यापार वृद्धि में निहित है. उम्मीद है कि यह एफटीए दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार को सालाना 34 अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाएगा, और 2030 तक इसे दोगुना कर 120 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य है .

ब्रिटेन भारतीय निर्यात के 99 फीसदी शुल्क समाप्त कर देगा, जिसमें कपड़ा, जूते, रत्न और आभूषण, समुद्री उत्पाद, इंजीनियरिंग सामान और दवाएं शामिल हैं. यह भारतीय निर्यातकों के लिए ब्रिटेन के बाजार में एक अभूतपूर्व पहुंच प्रदान करेगा, जिससे उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा में बढ़त मिलेगी. वहीं, भारत ब्रिटेन से आयात होने वाले 90 फ़ीसदी उत्पादों पर टैरिफ कम करेगा. विशेष रूप से, स्कॉच व्हिस्की और जिन पर आयात शुल्क तुरंत 150 फीसदी से घटकर 75 फीसदी हो जाएगा, और अगले दशक में इसे 40 फीसदी तक कम कर दिया जाएगा. ब्रिटेन में बनी लग्जरी कारों पर भी आयात शुल्क में उल्लेखनीय कमी आएगी, जो 100 फीसदी से घटकर 10 फीसदी हो जाएगा. यह कदम भारतीय उपभोक्ताओं के लिए ब्रिटिश उत्पादों को अधिक किफायती बनाएगा और ब्रिटिश निर्यातकों के लिए भारत के विशाल बाजार में प्रवेश आसान करेगा.

व्यापार के अलावा, यह एफटीए रोजगार सृजन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा. ब्रिटेन में 2,200 से अधिक नौकरियों के सृजन का अनुमान है, क्योंकि भारतीय फर्में ब्रिटेन में अपने परिचालन का विस्तार करेंगी. यह दोनों देशों में निवेश को प्रोत्साहित करेगा, जिससे अर्थव्यवस्थाओं को मजबूती मिलेगी. इस समझौते की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि भारत ने अपने संवेदनशील कृषि क्षेत्रों जैसे डेयरी उत्पाद, सेब, जई और खाद्य तेलों पर कोई टैरिफ रियायत नहीं दी है. यह कदम घरेलू किसानों के हितों की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण है, जो भारत की कृषि अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं. यह दर्शाता है कि भारत ने अपने रणनीतिक हितों और घरेलू उद्योगों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी है, जबकि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा दिया है.

इसके अतिरिक्त, यह समझौता सेवाओं के व्यापार और पेशेवर गतिशीलता को भी बढ़ावा देगा. भारतीय पेशेवरों को ब्रिटेन तक अधिक पहुंच मिलेगी, जिससे ज्ञान और कौशल का आदान-प्रदान बढ़ेगा. ब्रिटेन की फर्मों को भारत में संघीय स्तर के अनुबंधों के लिए बोली लगाने की अनुमति मिलना भी एक महत्वपूर्ण पहलू है, जो पारदर्शिता और प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देगा. यह एफटीए केवल व्यापार से कहीं बढ़कर है. यह भारत के लिए एक दशक से अधिक समय में पहला बड़ा एफटीए है और यूरोपीय संघ से बाहर निकलने के बाद ब्रिटेन का चौथा प्रमुख व्यापार समझौता है. यह दोनों देशों के लिए वैश्विक व्यापार में अपनी स्थिति को मजबूत करने का एक अवसर है, विशेषकर ऐसे समय में जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं और व्यापारिक संबंध तेजी से बदल रहे हैं. यह एफटीए केवल आर्थिक आंकड़ों से संबंधित नहीं है; यह साझा मूल्यों, लोकतांत्रिक सिद्धांतों और एक समृद्ध भविष्य की आकांक्षाओं पर आधारित एक गहरी और स्थायी साझेदारी की नींव रखता है. यह भारत और ब्रिटेन के संबंधों में एक नया अध्याय है, जो भविष्य में और भी अधिक सहयोग और नवाचार का मार्ग प्रशस्त करेगा.

ऐतिहासिक भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता

नए भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि

पीयूष गोयल

> सरकार ने किसी भी मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने से पहले उद्योग जगत और अन्य हितधारकों के साथ व्यापक हितधारक परामर्श किया है. यह जानकर प्रसन्नता का अनुभव होता है कि उद्योग निकायों ने मोदी सरकार द्वारा हस्ताक्षरित प्रत्येक मुक्त व्यापार समझौते का भारी समर्थन और स्वागत किया गया है. सीईटीए बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच न्यायसंगत और महत्वाकांक्षी व्यापार समझौतों के लिए एक मानक है. यह हमारे मूल हितों से समझौता किए बिना, वंचित समुदायों के लिए आकर्षक वैश्विक अवसरों के द्वार खोलता है. यह इस बात का एक ज्वलंत उदाहरण है कि नया भारत व्यापार किस प्रकार करता है.

भारत- ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) भारतीय किसानों, मछुआरों, कारीगरों और व्यवसायों को वैश्विक स्तर पर पहचान देने के साथ-साथ रोज़गार के असंख्य अवसरों का सृजन करेगा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप लोगों को प्रतिस्पर्धी दरों पर उच्च-गुणवत्ता वाली वस्तुएं प्राप्त करने में सहायता प्रदान करेगा. भारत और ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए), ऑस्ट्रेलिया, यूरोप के मुक्त व्यापार समझौते और संयुक्त अरब अमीरात सहित अन्य विकसित देशों के साथ इसी तरह के समझौतों के अनुरूप है. यह मोदी सरकार के विकसित भारत 2047 के स्वप्न को साकार करने के क्रम में आर्थिक विकास और रोज़गार सृजन को अधिकतम करने की रणनीति का एक हिस्सा है.

प्रधानमंत्री की रणनीति- वर्ष 2014 में, मोदी सरकार ने भारतीय अर्थव्यवस्था में वैश्विक विश्वास को पुनः स्थापित करने तथा इसे भारतीय और विदेशी निवेशकों के लिए आकर्षक गंतव्य बनाने के लिए एक दृढ़ रणनीति अपनाई. विकसित देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर हस्ताक्षर करना, इस व्यापक रणनीति का एक हिस्सा है. एफटीए, व्यापार नीतियों के बारे में अनिश्चितताओं को दूर करते हुए निवेशकों का विश्वास भी बढ़ाते हैं.

विकसित देशों के साथ एफटीए, जिनके भारत के साथ प्रतिस्पर्धी व्यापारिक हित नहीं हैं, दोनों पक्षों के लिए लाभप्रद है, जबकि पिछली सरकार ने भारत के दरवाजे प्रतिद्वंद्वी देशों के लिए खोलकर भारतीय व्यवसायों को खतरे में डालने का रवैया अपनाया था.

यूपीए शासनकाल में, विकसित देशों ने भारत के साथ व्यापार वार्ता लगभग रोक दी थी और उस समय भारत को दुनिया की पाँच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में से एक माना जाता था. प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत का सकल घरेलू उत्पाद वर्ष 2014 से लगभग तीन गुना बढ़कर लगभग 331 लाख करोड़ रुपये हो गया है. क्रांतिकारी सुधारों, व्यापार में आसानी और प्रधानमंत्री के वैश्विक व्यक्तित्व ने भारत को एक आकर्षक गंतव्य के रूप में उभरने में सहायता की है. आज, दुनिया भारत की अद्भुत गाथा में भागीदारी के साथ-साथ एफटीए पर हस्ताक्षर करना चाहती है.

बाजार पहुंच, प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त- यह एफटीए ब्रिटेन के बाजार के सभी क्षेत्रों में भारतीय वस्तुओं के लिए व्यापक बाजार पहुंच सुनिश्चित करेगा. यह लगभग 99 प्रतिशत टैरिफ लाइनों के टैरिफ को समाप्त करते हुए व्यापार मूल्य के लगभग 100 प्रतिशत को कवर करता है. इस समझौते के अंतर्गत 56 बिलियन डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार से सृजित होने वाले व्यापक अवसरों के वर्ष 2030 तक दोगुना होने का अनुमान है. छोटे व्यवसाय समृद्ध होंगे, क्योंकि भारतीय उत्पादों को प्रतिद्वंद्वियों पर स्पष्ट प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल होगी. फुटबॉल, क्रिकेट उपकरण, रग्बी गेंदें और खिलौने बनाने वाली कंपनियों का ब्रिटेन में अपने कारोबार में उल्लेखनीय विस्तार होगा.

असंख्य रोज़गार- आकर्षक बाज़ार में भारत की प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त से निर्यात स्थायित्व के साथ-साथ निवेश और रोजगार सृजन में वृद्धि होगी. भारत वस्त्र, चमड़ा और जूते से जुड़े क्षेत्रों में ब्रिटेन को आपूर्ति करने वाले तीन प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं में से एक बनने की शानदार स्थिति में है और इससे भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में प्रमुख क्षमता के रूप में उभरने में सहायता मिलने के साथ ही यह छोटे व्यावसायियों, कारीगरों और महिलाओं को भी सहायता प्रदान करेगा. रत्न एवं आभूषण, इंजीनियरिंग सामान, रसायन और फोन जैसे इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के निर्यात में भी वृद्धि होने की आशा है.

किसान प्रथम- 95 प्रतिशत से अधिक कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य टैरिफ लाइनों पर शून्य शुल्क लगेगा, जिससे कृषि-निर्यात और ग्रामीण समृद्धि में तीव्र वृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा. शुल्क-मुक्त बाज़ार पहुंच से अगले तीन वर्षों में कृषि निर्यात में 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होने का अनुमान है, जो वर्ष 2030 तक भारत के 100 अरब डॉलर के कृषि-निर्यात के लक्ष्य को पूरा करने में योगदान देगा. यह मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) भारतीय किसानों के लिए प्रीमियम ब्रिटिश बाज़ार को खोल देगा, जो जर्मनी, नीदरलैंड और अन्य यूरोपीय संघ के देशों को मिलने वाले लाभों के बराबर या उससे भी अधिक होगा.

(लेखक भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री हैं)

सीमित समय और विपरीत हालातों में जीता गया था कारगिल युद्ध

अटल जी की सरकार न झुकी न रुकी और जीत लिया कारगिल

डॉ. राघवेंद्र शर्मा

> जाहिर है हमें केवल गुप्त चर ऐजेंसियों पर निर्भर होकर स्वेयं को संकुचित अवस्थाक में कैद नहीं करना है. जरूरत इस बात की है कि सीमाओं पर सेना और स्था नीय जनता के बीच जो बेहतर तालमेल पारंपरिक रूप से चला आ रहा है, उसे और मजबूत एवं व्यावहारिक बनाया जाना चाहिए. ये संतोष की बात है कि सीमाओं पर हमारी सेना जनहित के अनेक कार्य जनता के बीच रहकर चलाती रहती है. स्थानीय नागरिकों की ओर से भी सैनिकों को वांछित सहयोग और अपनापन मिलता रहता है. लेकिन अब इसे और व्यापक प्रशिक्षण की जरूरत प्रतीत होती है. क्यों कि दुर्भाग्य वश हमारा पड़ौसी नीयत से ही बेईमान और अमानुष ही है. हमें उस पर सतत निगरानी की आवश्यककता है. यदि इस सावधानी में सेना और सरकारी ऐजेंसियों के साथ आम नागरिकों का जुड़ाव भी आकार पाता है तो दावे के साथा लिखा जा सकता है कि शत्रुदेश भविष्यग में किसी भी प्रकार के नए कारगिल जैसा षड़यंत्र कभी कारित ही नहीं कर पाएगा.

कारगिल का युद्ध और उस पर स्था पित भारत की विजय कई मायनों में विलक्षण हैं. ये एक ऐसा व्यांपक विषय है, जिसके बारें में गहन अध्ययन किए जाने की आवश्याकता है और इससे सीखने की भी व्याकपक संभावनाएं अस्तित्वभ में बनी हुई हैं. उदाहरण के लिए शुरूआत राजनीतिक विषमताओं भरे माहौल पर गौर किया जाना सर्वथा उपयुक्त् रहेगा. जैसा कि हम सभी जानते हैं, कारगिल पर पाकिस्ताअन के नापाक कब्जेों का प्रयास तब हुआ जब केंद्र में जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार थी और स्वनर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी देश के प्रधानमंत्री हुआ करते थे. ये अपने आप में ऐतिहासिक कीर्तिमान है कि उनकी सरकार में लगभग दो दर्जन राजनैतिक दल भागीदार रहे. वो भी ऐसे ऐसे कि अधिकांश दल और नेता पारंपरिक रूप से ही एक दूसरे को फूटी आंख नहीं सुहाते थे. सबके अपने अपने राजनैतिक स्वासर्थ उभार पर थे. तब कारगिल जैसे गंभीर मुद्दे पर सभी को एक राय करना मेंढ़कों को तराजू के पलड़े में तौलने जैसा दुष्कर कार्य था.

जैसा कि हम अक्सगर देखा करते हैं, कई राजनैतिक दल राष्ट्रीय और क्षेत्रीय तौर पर ऐसे हैं जो हमेशा पाकिस्तासन के साथ बातचीत करने की हिमायत करते रहते हैं. ऐसा भी नहीं है कि इस तरह की बात करने वाले दल अथवा नेता आश्वस्त हों कि वार्ता शुरू होने से पाकिस्ताऐन अपनी नापाक हरकतों से बाज आ जाएगा, बल्कि सही बात ये है कि देश के मतदाताओं में एक वर्ग ऐसा भी है जो मजहबी तौर पर पड़ौसी दुश्मन देश के प्रति व्य क्तिगत स्तंर पर दोस्ता,ना रवैया अख्तियार करता है और चाहता है कि हमारे वोट के जरूरतमंद नेता भी पाकिस्तानन के साथ ऐसा ही भाईचारे वाला व्यतवहार करें. बस इन्हेंअ ही तुष्ठख बनाए रखने के लिए कई बार हमारे कई राजनैतिक दल और नेता तुष्टीाकरण की नीति अपनाए रहते हैं. ऐसे में जरूरी हो गया था कि तत्काहलीन प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ऐसी नीति पर काम करें कि पाकिस्तोन को ईंट का जवाब पत्थरर से दिया हो जाए और आपसी सियासी लाभ हानि के गणित को हर हाल में निष्फेल किया जा सके, ताकि देश पर कोई राजनैतिक संकट खड़ा न हो जाए. तब उन्होंने सेना के हाथ खुले छोड़ते हुए ये संदेश आम किया कि सरकारें आएंगी जाएंगी, राजनैतिक परिस्थितियों बनती बिगड़ती रहेंगी, लेकिन ये देश सलामत रहना चाहिए और में वही करने जा रहा हूं. सरकार जाती है तो अभी चली जाए, किंतु देश के भाल को कलंकित कर रहा दुश्मरन बचकर नही जाना चाहिए.

सबको पता है और उस समय के नेता भी जानते थे कि श्री अटल बिहारी वाजपेयी की नीयत पर शक शुबहा की कोई गुंजाईश जनता के बीच कभी रही ही नहीं, सो तब भी जनता उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रही. बस यही वजह रही कि अनेक आपसी मतभेद होने के चलते भी सरकार में शामिल सभी राजनैतिक दल इस फैसले में सहज ही प्रधानमंत्री के साथ हो लिए और विपक्ष ने भी देशहित के सवाल पर सकारात्मलक रवैया अपनानाया जाना उचित जाना. नतीजा सबके सा?मने है, हमने सीमित समय में बेहद विपरीत हालातों के बावजूद उस युद्ध को जीता और दुश्मनन को उसी की भाषा में जवाब दिया जा सका. बाद में तत्काऔलीन राजग सरकार को कारगिल में जीत का इतना अच्छा प्रतिसाद मिला कि चौबीस दलों वाली श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार केवल देश में ही नहीं, दुनियाभर में सराहना की पात्र बनी और आपद काल में एकता की मिसाल कायम करने में सफल साबित हुई.

लेखक म.प्र.शासन के अधिमान्य पत्रकार हैं.

देश में ई-वाहनों का बढ़ता आकर्षण

वैश्विक स्तर पर ई-वाहनों की बिक्री एक स्तर पर पहुंचकर स्थिर हो गई है, लेकिन भारत में इन गाड़ियों की बिक्री लगातार बढ़ती नजर आ रही है. केयर एज की रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि 2027-28 तक ई-वाहनों की बिक्री 7 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ जाएगी. गत 5 वर्षों में इनकी मांग लगातार बढ़ी है. 2020-21 में कुल 1.4 लाख ई-वाहनों की बिक्री हुई थी जबकि यह आंकड़ा 2024-25 में 19.6 लाख पर जा पहुंचा. बिक्री में वार्षिक वृद्धि 93 प्रतिशत दर्ज की गई. ई-वाहनों में मुख्य रूप से दुपहिया व तिपहिया गाड़ियों की मांग अधिक है. कंपनियां नए-नए मॉडेल पेश कर रही हैं इसलिए बिक्री में और वृद्धि संभव है. पेट्रोल-डीजल वाहन बनाने वाली कंपनियां भी ई-कार तथा एसयूवी निर्मित करने लगी हैं. इन गाड़ियों की ज्यादा कीमत, सीमित मॉडेल तथा चार्जिंग सुविधाओं की कमी से बिक्री बढ़ने में बाधा आती है. इसे पहचानकर सरकार ने ई-चार्जिंग सुविधा को प्रोत्साहन देने की नीति अपनाई है.

महानगरों व महामार्गों पर चार्जिंग केंद्रों का जाल बिछाया जाएगा. दिक्कत न जाए, इसलिए कुछ वाहन डबल बैटरी का ऑफर दे रहे हैं. 2022 में देश में 5,151 सार्वजनिक चार्जिंग सुविधाएं थीं. 2024-25 की शुरूआत में इनकी संख्या 26,367 तक पहुंच गई है. इस तरह सुविधा में 72 प्रतिशत वृद्धि हुई है. इस समय देश में 253 ई-वाहनों के पीछे 1 चार्जिंग फैसिलिटी है. ई-वाहनों के निर्माण में चीन अग्रणी है. इलोन मस्क ने अपनी फैक्टरी चीन में ही डाली थी, क्योंकि अमेरिका की तुलना में वहां निर्माण लागत काफी कम है. अब चीन ने ई-वाहनों के लिए जरूरी 7 दुर्लभ खनिजों (रेयर अर्थ) का निर्यात रोक दिया है. चीन के इन खनिजों पर भारत 90 प्रतिशत निर्भर है. यह खनिज ई-मोटर सहित बैटरी सिस्टम, कैटलिटिक कन्वर्टर, इन्फोटेनमेंट सिस्टम, पॉवर स्टीअरिंग, ब्रेक वायर सिस्टम तथा एडवांस्ड सेफ्टी सेंसर के लिए आवश्यक हैं. अब भारत में भी दुर्लभ खनिज भंडार की खोज पर काम चल रहा है.

निशानेबाज

बंगाल में सिर्फ ममता दीदी देश में करोड़पति और ड्रोन दीदी

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, हमें बताइए कि राजनीति में दादागिरी तो होती है, लेकिन दीदीगिरी क्यों नहीं होती? क्या कोई दीदी दबंग नहीं हो सकती?

हमने कहा, बंगाल जाइए. वहां रूआबदार दीदी के दर्शन हो जाएंगे. विधानसभा चुनाव में दीदी कहलाने वाली मुख्यमंत्री व टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की एक नहीं चलने दी थी. जब बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा वहां चुनाव प्रचार करने पहुंचे थे तो ममता ने कहा था कि कहां से चले आते हैं ये चड्डा-पड्डा! यह ममता ही हैं, जिन्होंने बंगाल में लेफ्ट पार्टियों को उन्हीं के तरीके से उखाड़ फेंका. फुटपाथ पर उतरकर आंदोलन करने वाली ममता कम्युनिस्टों पर भारी पड़ गई थीं.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, सभी जानते हैं कि दीदी की वजह से बीजेपी बंगाल फतह नहीं कर पा रही है. प्रधानमंत्री मोदी चुनावी सभा में उन्हें दीदी ओ दीदी कहकर ललकारते थे, लेकिन ममता को हिला नहीं पाएं. प्लास्टर बंधे पैर के

बावजूद दीदी ने चुनाव जीता था. अब यह बताइए कि केंद्र सरकार ने दीदी अर्थात ममता बनर्जी का प्रभाव कम करने के लिए कौनसा तरीका निकाला?

हमने कहा, मोदी ने दिखा दिया कि अकेली ममता बनर्जी दीदी नहीं हैं. उन्होंने करोड़पति दीदी और ड्रोन दीदी जैसी योजनाएं शुरू कर महिलाओं को स्वावलंबी बनाना शुरू किया. खेतों में ड्रोन उड़ाकर उसके जरिए खाद और कीटनाशक का छिड़काव या फिर जंगल-पहाड़ में प्लांटेशन करने के लिए बीज डालने के उद्देश्य से ड्रोन का इस्तेमाल करने वाली महिलाएं ड्रोन दीदी कहलाती हैं. उन्हें इसका प्रशिक्षण दिया गया है. इस तरह देखा जाए तो बंगाल में एक दीदी है, लेकिन मोदी के पास अनेक दीदी हैं.

पड़ोसी ने कहा, क्या आपको ऐसा लगता है कि मोदी ने ढेर सारी दीदी बनाकर बंगाल की ममता दीदी का महत्व कम कर दिया है?

हमने कहा, दीदी कहां नहीं हैं ! शरतचंद्र चट्टोपाध्याय ने मंझली दीदी नामक कहानी लिखी थी. भारतीय घरों में बड़ी बहन को दीदी कहते हैं. देवरानी अपनी जेठानी को दीदी संबोधित करती है. आपने फिल्म हम आपके हैं कौन का गीत सुना होगा दीदी तेरा देवर दीवाना, हाय राम कुड़ियों को डाले दाना!

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 11974

-डॉ. सागर खादीवाला

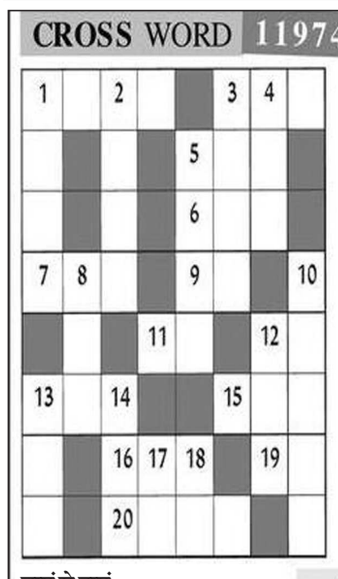

1. हो सकना, अनुमान 2. कविश्रेष्ठ, वैद्यों की एक उपाधि 3. चलाने वाला, परिचालक 4 एक वस्तु का दूसरी वस्तु में समा जाना 5. (राजनीति में) उग्र विचार या मत रखने वाला 8. कर-शुल्क आदि के रूप में सरकार को होने वाली आय 10. मांगने या चाहने वाला (उर्दू) 12. सुंदरी, रूपवती (उर्दू) 13. बराबर, एक जैसे 14. एक स्त्री से प्रेम करने वाले दो व्यक्ति परस्पर %--% होते हैं (उर्दू) 17. निषिद्ध, वर्जित (उर्दू) 18. बाण, किनारा, कुल

बाएं से दाएं

1. छोटा संदूक, पेटी 3. करार, समझौता, ठेका 5. बोलने में तेज 6. दक्षिण भारत का एक पर्वत जहां चंदन के पेड़ बहुत होते हैं, सफेद चंदन 7. अप्रसन्न, रुष्ट (उर्दू) 9. कीचड़ 11. पुस्तक 12. खेत जोतने का एक उपकरण, समस्या का समाधान 13. स्वर के साथ 15. भाग्य (उर्दू) 16. बहुमूल्य 19. नंगे रहने वाले साधु, अंतर, अनुपस्थिति 20. वाराणसी

ऊपर से नीचे

Solution 11973

अ	नु	प	म		पा	र	स
क	स	र	त		ल	स	ना
स	खा		दा	ग	ना		त
र		अ	न	ल		धा	न
	सं	ज्ञा		ब	द	रा	
म	चा	न		ल	ला		स
वा	र		ह		ल	ह	र
द		ग	ल	त		द	ल

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी, यात्रा का योग है,व्यय मेंकमी होगी, व्यवसाय मेंसुधार होगा, वर्ष के मध्य में परिश्रम केउपरांत आंशिक सफलता प्राप्त होगी, शारीरिक कष्ट और मानसिक चिन्ता रहेगी, अत्याधिक व्ययहोगा, वर्ष के अन्त में राजनैतिक लाभ के योग हैं, व्यवसाय में वृद्धि होगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को लाभ प्राप्त होने का योग है, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों का मान सम्मान बढ़ेगा, शिक्षा के क्षेत्र मेंवृद्धि होगी, यश कीर्ति बढ़ेगी, सिंह राशि के व्यक्तियों को शत्रु षड़यंत्र से सतर्कता बांछनीय, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को परिश्रम अधिक करना होगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को संयम से कार्य करना हितकर रहेगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों का बचपन की मित्रता का लाभ प्राप्त होगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को अपनी कार्यक्षमता का परिणाम सुखद प्राप्त होगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक सुंदर, लगनशील, स्वस्थ्य एवं कोमल हृदय का होगा, मधुरभाषी होगा, इनके मित्रों की संख्या सीमित होगी, यात्रा एवं मनोरंजन में विशेष रूचि रहेगी. ये अपने कार्यों में किसी का हस्तक्षेप पसंद नहीं करेगा. माता पिता को जीवन में सुखी रखेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

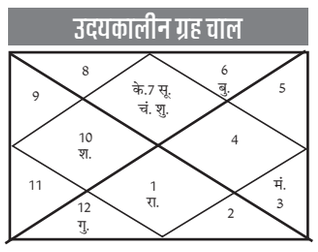

पंचांग

रा.मि. 04 संवत् 2082 श्रावण शुक्ल द्वितीया शनिवासरे रात 11/8, आश्लेषा नक्षत्रे शाम 5/18, सिद्धि योगे दिन 7/42, बालव करणे सू.उ. 5/21 सू.अ. 6/39, चन्द्रचार कर्क शाम 5/18 से सिंह, पर्व- चन्द्रदर्शन, शु.रा. 4,6,7,10,11,2 अ.रा. 5,8,9,12,1,3 शुभांक- 6,8,2.

व्यापार भविष्य

श्रावण शुक्ल द्वितीया को आश्लेषा नक्षत्र के प्रभाव से जीरा, धनियां में घटबढ के बाद नरमीं का रूख रहेगा, गेहूं, जौ, चना, जूट, पाट, बारदाना देशी घी, सरसों में मंदी की चाल चलेगी, वायदा विचार आज 1 बजकर 30 मिनिट के रूख पर व्यापार करना लाभप्रद रहेगा. भाग्यांक 5667 है.

मेष- आप अपनी कमियों को दूर करने का प्रयास करेंगे, खर्च की अधिकता रहेगी, लाभ के नये मार्ग खुलेंगे, मिलन होगा, सुख संतोष बना रहेगा.

वृषभ- अधिकारी आपकी कार्यशैली से प्रसन्न होंगे, नियमित दिनचर्या रहेगी, इष्ट मित्रों का सहयोग रहेगा, मांगलिक कार्यों में खर्च की अधिकता रहेगी.

मिथुन- उत्तराधिकार संबंधी समस्या हल होने से राहत मिलेगी, घरेलू आवश्यकताएं की पूरी करने दौड़धूप करना पड़ेगा, पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा.

कर्क- दूसरों के दबाव में लिए फैसले मौका मिलते ही बदल देंगे, मित्र वर्ग उत्साहवर्धक सहयोग करेगा, जायजाद प्रापर्टी आदि कार्यों में सफलता प्राप्त होगी. संयम रखें.

सिंह- व्यापारिक समझौते भाग्योदय में सहायक रहेंगे, मन की बात करीबी से कहने पर तनाव कम होगा, किये गये प्रयासों में लाभ प्राप्त होगा. नए उपक्रमों का विकास होगा.

कन्या- वैवाहिक चर्चाओं में सफलता के आसार हैं, आपके बढ़ते प्रभाव से लोग ईर्ष्या करेंगे, परीक्षा प्रतियोगिता में परिश्रम अधिक करना होगा, उत्तम परिणाम प्राप्त होगा.

तुला- जोड़तोड़ करके काम कराने के चक्कर में नुकसान होगा, न्यायालयीन कार्यों में सफलता मिलेगी, आशा से अधिक परिश्रम करने पर लाभ होगा.

वृश्चिक- युवाओं को काम की तलाश में भटकना पड़ेगा, अपने काम को लेकर ज्यादा गंभरी होंगे, सरकारी विभाग में रूके कार्यों के बनने का योग है.

धनु- बढ़ते खर्च को पूरा करने में कठिनाई आयेगी, कर्ज लेने की स्थिति बन सकती है, कामकाज के प्रति अरूचि एवं उदासीनता रहेगी, सोचे हुए कार्यों में बाधा आयेगी.

मकर- बिना सोचे समझे नए काम में हाथ न डालें, लोगों के विरोध का सामना करना पड़ सकता है, भाग्यवर्धक शुभ समाचार प्राप्त होगा, धार्मिक काग्र के प्रति रूचि रहेगी.

कुम्भ- अपने संपर्कों से रूके काम निकालने में सफ्ल होंगें यात्रा का योग है. राजकीय प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, कोर्ट कचहरी के मामलों में सफ्लता मिलेगी.

मीन- जिद्दी रवैया तरक्की की राह में बाधक होगा, समाज में आपके कार्य की पहचान बनेगी, सामाजिक संबंधों में विस्तार होगा, मैत्री संबंध महत्वपूर्ण रहेंगें.

SUDOKU 7106

	8	5						
3								
			6			7	4	
6			2		4			
1								8
			7		5			3
	4	7			1			
								6
						5	2	

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7105

4	3	9	2	6	8	5	1	7
8	1	6	7	4	5	9	2	3
7	5	2	3	9	1	6	4	8
1	7	5	4	2	6	8	3	9
6	4	3	8	5	9	2	7	1
2	9	8	1	7	3	4	5	6
5	2	1	6	8	7	3	9	4
9	8	7	5	3	4	1	6	2
3	6	4	9	1	2	7	8	5